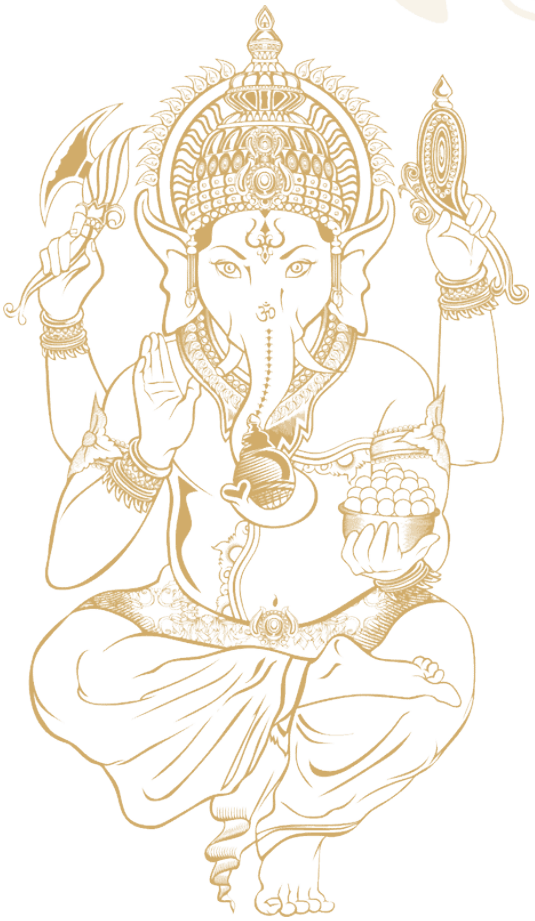

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/11/1987	जन्म तिथि	29/08/1994
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 21:21:00	जन्म समय	14:24:00 घंटे
घटी 35:24:35	जन्म समय(घटी)	20:55:48 घटी
India	देश	India
Udhampur	स्थान	Udhampur
32:56:00 उत्तर	अक्षांश	32:56:00 उत्तर
75:08:00 पूर्व	रेखांश	75:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:29:28	स्थानिक संस्कार	-00:29:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:10	सूर्योदय	06:01:40
17:23:14	सूर्यास्त	18:58:42
23:41:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:11

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 15वर्ष 6मा 9दि	07:32:01	कर्क	लग्न	वृश्चि	26:57:06	चन्द्र 7वर्ष 8मा 24दि
बुध	12:11:13	वृश्चि	सूर्य	सिंह	12:00:35	राहु
08/06/2022	20:23:39	कुंभ	चंद्र	वृष	13:01:14	24/05/2009
09/06/2039	09:16:09	तुला	मंगल	मिथु	14:19:39	24/05/2027
बुध 04/11/2024	28:43:53	तुला	बुध	सिंह	26:44:44	राहु 04/02/2012
केतु 01/11/2025	26:33:54	मीन व	गुरु	तुला	15:37:26	गुरु 30/06/2014
शुक्र 01/09/2028	07:02:13	धनु	शुक्र	कन्या	27:55:45	शनि 06/05/2017
सूर्य 09/07/2029	27:51:40	वृश्चि	शनि व	कुंभ	15:28:40	बुध 23/11/2019
चन्द्र 08/12/2030	06:23:53	मीन	राहु	तुला	23:52:57	केतु 11/12/2020
मंगल 05/12/2031	06:23:53	कन्या	केतु	मेष	23:52:57	शुक्र 11/12/2023
राहु 24/06/2034	01:58:36	धनु	हर्ष व	धनु	29:03:17	सूर्य 04/11/2024
गुरु 28/09/2036	12:52:50	धनु	नेप व	धनु	27:05:42	चन्द्र 06/05/2026
शनि 09/06/2039	17:14:08	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:38:56	मंगल 24/05/2027

लग्न-चलित

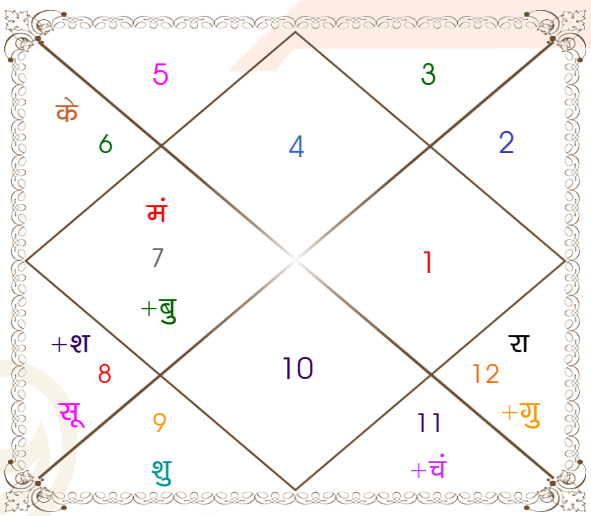

लग्न-चलित

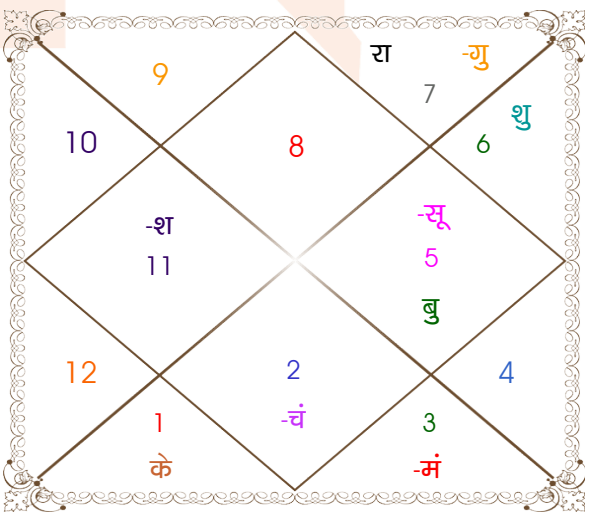

Shri Ram jyotish bhawan

Pt. Anshuman Sharma Krimachi,Udhampur,Jk

9858266566

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.50		

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।